Title:Need to look into the grievances of the employees of Tannery and Footwear Corporation of India (TIFCO) and textile mills under NTC in Kanpur-Laid.

श्री जगत वीर सिंह द्रोण (कानपुर): मैं पहले भी लोक सभा में अनेक बार कानपुर स्थित केन्द्र सरकार के अधीन उद्योगों के बंद होने से उत्पन्न श्रमिक अशांति एवं भुखमरी की समस्या की ओर इस सदन में सरकार का ध्यान आकर्षित कर चुका हूं परन्तु इस समस्या के समाधान हेतु कोई ठोस कदम आज तक नहीं उठाया गया है। टैनरी एंड फुटवेयर कॉरपोरेशन के कर्मचारियों को १८ अगस्त, १९९८ से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है जिसके कारण कर्मचारियों के घरों में चूल्हा जलना भी कठिन हो गया है। इस उद्योग के बंद करने का निर्णय सरकार ने ले लिया है परन्तु अभी तक वी.आर.एस. या बन्दी का नोटिस तक नहीं लगाया है। मेरा आग्रह है कि सरकार तत्काल पूरा वेतन भुगतान करे एवं कोई पैकेज घोषित करे जिससे कर्मचारी घोर कठिनाईयों से मुक्त हो सकें।

इसी प्रकार एन.टी.सी. के अंतर्गत कानपुर टैक्सटाइल एलगिन मिल नं. १ एवं एलगिन मिल नं. २ के विषय में भी अनिश्चितता बनी हुई है। इन मिलों में कार्यरत कर्मचारियों को वेतन के स्थान पर एडवांस दिया जा रहा है। सरकार यदि इन तीनों मिलों को नहीं तो इनमें से दो या एक मिल को बचे कर्मचारियों का समायोजन करके लाभदायक बना सकती है परन्तु इस निर्णय को लेने में भी देर हो रही है।

मेरा प्रधान मंत्री जी से विनम्र आग्रह है कि उद्योग मंत्री, कपड़ा मंत्री, वित्त मंत्री एवं श्रम मंत्री को साथ बैठाकर इन उद्योगों को कैसे चलाया जाये, इस पर तत्काल निर्णय करें एवं टैनरी एंड फुटवेयर कॉरपोरेशन के कर्मचारियों का १८ अगस्त, १९९८ से आज तक का वेतन तथा वी.आर.एस. के माध्यम से अच्छा सा पैकेज इनको प्रदान करने की व्यवस्था करें।